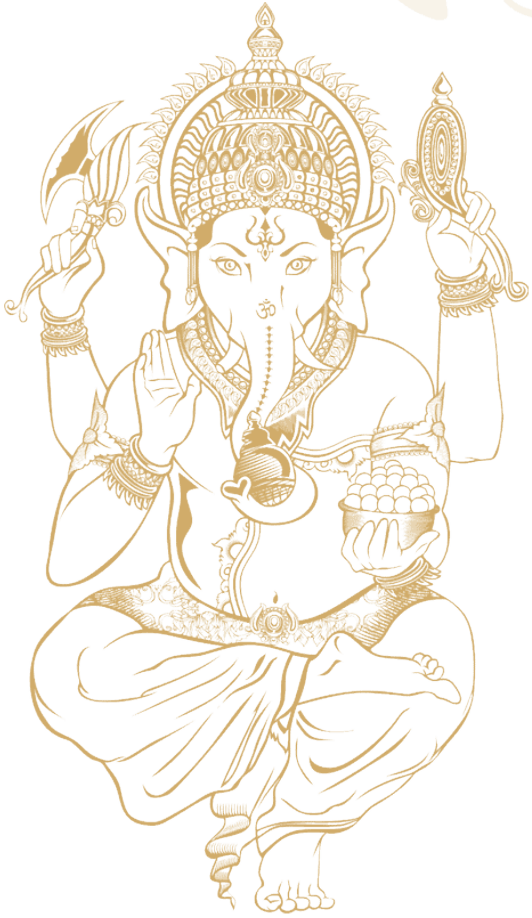

Mr.

29 Jun 2002

07:15 PM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 120258417

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**29/06/2002**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**19:15:00 घंटे**
इष्ट	34:50:38 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:57:12 घंटे
वेलान्तर	-00:03:22 घंटे
साम्पातिक काल	13:27:05 घंटे
सूर्योदय	05:18:44 घंटे
सूर्यास्त	19:23:29 घंटे
दिनमान	14:04:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	13:45:18 मिथुन
लग्न के अंश	12:43:26 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	प्रीति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गौतमी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:43:26	343:38:19	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			मिथु	13:45:18	00:57:12	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	सम राशि
चंद्र			कुंभ	09:02:09	12:11:43	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	मिथु	27:02:36	00:38:47	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			वृष	23:07:15	01:25:43	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
गुरु			मिथु	28:44:21	00:13:11	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	23:13:24	01:09:00	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
शनि			वृष	27:09:26	00:07:35	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		वृष	23:48:27	00:02:35	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	23:48:27	00:02:35	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	04:40:16	00:01:13	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	16:32:34	00:01:18	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:48:27	00:01:28	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
दशम भाव			कन्या	29:38:05	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:15

लग्न-चलित

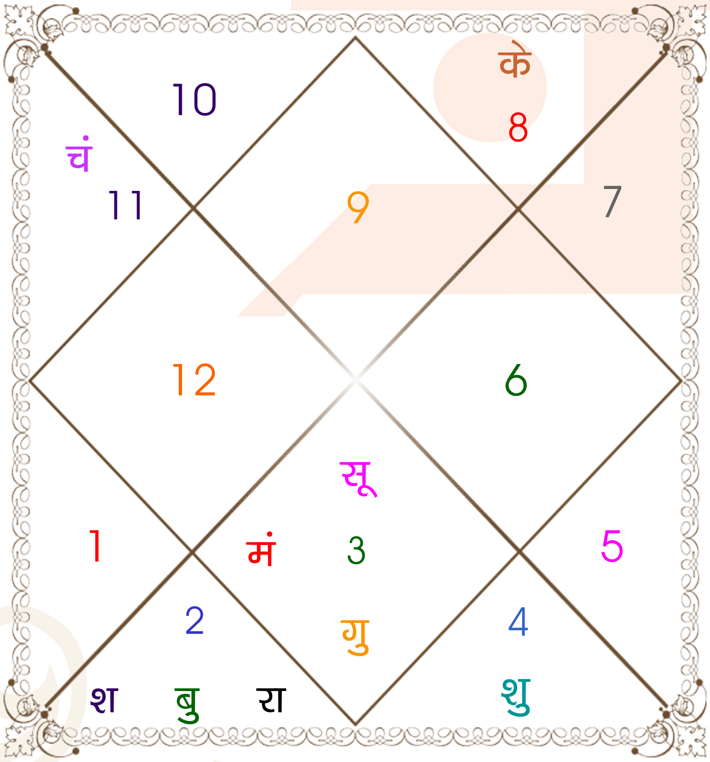

चन्द्र कुंडली

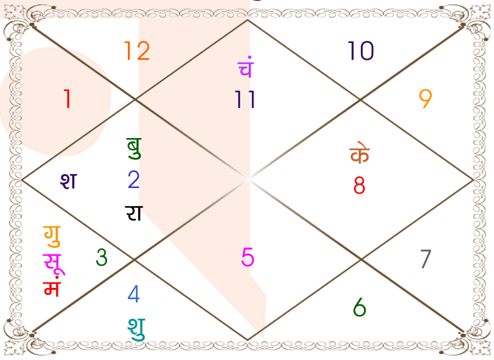

नवमांश कुंडली

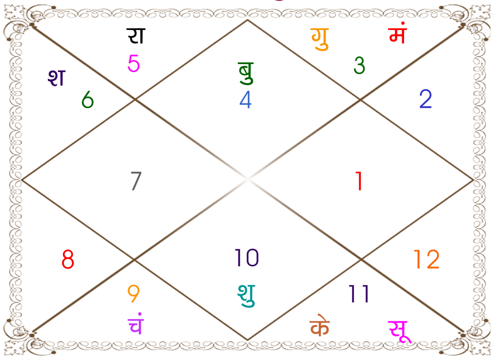

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 14 वर्ष 9 मास 18 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
29/06/2002		**18/04/2017**		**18/04/2033**		**17/04/2052**		**18/04/2069**	
18/04/2017		**18/04/2033**		**17/04/2052**		**18/04/2069**		**17/04/2076**	
	29/06/2002	गुरु	06/06/2019	शनि	20/04/2036	बुध	14/09/2054	केतु	14/09/2069
गुरु	24/05/2004	शनि	17/12/2021	बुध	29/12/2038	केतु	11/09/2055	शुक्र	14/11/2070
शनि	31/03/2007	बुध	24/03/2024	केतु	07/02/2040	शुक्र	12/07/2058	सूर्य	22/03/2071
बुध	17/10/2009	केतु	28/02/2025	शुक्र	09/04/2043	सूर्य	18/05/2059	चंद्र	21/10/2071
केतु	05/11/2010	शुक्र	30/10/2027	सूर्य	21/03/2044	चंद्र	17/10/2060	मंगल	18/03/2072
शुक्र	04/11/2013	सूर्य	17/08/2028	चंद्र	20/10/2045	मंगल	14/10/2061	राहु	05/04/2073
सूर्य	29/09/2014	चंद्र	17/12/2029	मंगल	29/11/2046	राहु	03/05/2064	गुरु	12/03/2074
चंद्र	30/03/2016	मंगल	23/11/2030	राहु	05/10/2049	गुरु	08/08/2066	शनि	21/04/2075
मंगल	18/04/2017	राहु	18/04/2033	गुरु	17/04/2052	शनि	18/04/2069	बुध	17/04/2076

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
17/04/2076		**17/04/2096**		**19/04/2102**		**18/04/2112**		**19/04/2119**	
17/04/2096		**19/04/2102**		**18/04/2112**		**19/04/2119**		**00/00/0000**	
शुक्र	18/08/2079	सूर्य	05/08/2096	चंद्र	17/02/2103	मंगल	14/09/2112	राहु	30/12/2121
सूर्य	17/08/2080	चंद्र	03/02/2097	मंगल	18/09/2103	राहु	03/10/2113	गुरु	30/06/2122
चंद्र	18/04/2082	मंगल	11/06/2097	राहु	19/03/2105	गुरु	09/09/2114		00/00/0000
मंगल	18/06/2083	राहु	06/05/2098	गुरु	19/07/2106	शनि	19/10/2115		00/00/0000
राहु	18/06/2086	गुरु	22/02/2099	शनि	17/02/2108	बुध	15/10/2116		00/00/0000
गुरु	16/02/2089	शनि	04/02/2100	बुध	19/07/2109	केतु	13/03/2117		00/00/0000
शनि	17/04/2092	बुध	12/12/2100	केतु	17/02/2110	शुक्र	13/05/2118		00/00/0000
बुध	16/02/2095	केतु	19/04/2101	शुक्र	19/10/2111	सूर्य	18/09/2118		00/00/0000
केतु	17/04/2096	शुक्र	19/04/2102	सूर्य	18/04/2112	चंद्र	19/04/2119		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 14 वर्ष 9 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।